दिन भर परेशान रहे एमटीएनएल उपभोक्ता

गुड़गांव। द नंबर यू हैव डायल इज इज़र स्विच ऑफ और नॉट इन कवरेज एरिया। सुबह से शाम तक एमटीएनएल के मोबाइल पर फोन करने वालों को यही संदेश सुनने को मिला। किसी के बॉस ने कर्मचारी को काम से बचने के लिए मोबाइल सेवा गड़बड़ा कर रखने की झाड़ लगाई तो कोई प्रेमी जोड़ा इस संवादहीनता के कारण मिल नहीं पाया। एमटीएनएल मोबाइल उपभोक्ताओं का सोमवार सुबह साढ़े दस बजे से शाम तक किसी से संपर्क नहीं हो पाया। लंबे समय तक नेटवर्क जाम होने से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। किसी के कोई भी संदेश आ जा नहीं सके। एमटीएनएल मोबाइलधारी शैलेन्द्र कुमार ने बताया किसी दूसरे फोन से एमटीएनएल का कस्टमर केयर नंबर 9868112345 भी नहीं लग पा रहा था। पिछली 13 मई को भी लगभग पांच घंटे तक नेटवर्क जाम रहा। बार-बार ऐसा होने से हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

एमटीएनएल इफेक्ट प्राइवेट फोन भी हो सकते हैं डिस्टर्ब

नव भारत टाइम्स

प्रमुख संवाददाता । नई दिल्ली

एमटीएनएल अधिकारियों के असहयोग आंदोलन का असर प्राइवेट टेलिफोन उपभोक्ताओं पर भी नजर आ सकता है। आंदोलनकारी अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार से इस आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इससे एमटीएनएल नेटवर्क का इस्तेमाल करने प्राइवेट टेलिफोन ऑपरेटरों की सेवाएं भी चरमरा सकती हैं।

इस वक्त दिल्ली में एमटीएनएल के 16 लाख लैंडलाइन, 20 लाख मोबाइल और गरुड़ कनेक्शन और चार लाख ब्रॉडबैंड के उपभोक्ता हैं। जॉइंट फोरम ऑफ एमटीएनएल एग्जिक्यूटिव असोसिएशन के महासचिव अशोक कुमार कौशिक के मुताबिक इस आंदोलन की वजह से पहले ही दिन एमटीएनएल की दिल्ली और मुंबई दोनों ही जगह 80 फीसदी सेवाएं चरमरा गई हैं। यूनियन की मांगें नहीं मानी जातीं तो मंगलवार से इसका असर प्राइवेट ऑपरेटरों के कनेक्शनों पर भी पड़ सकता है। अधिकतर प्राइवेट ऑपरेटर एमटीएनएल का नेटवर्क इस्तेमाल करते हैं।

सोमवार को भी दिल्ली में एमटीएनएल के ग्राहकों की फोन सेवाएं लगभग ठप रहीं। हालांकि कुछ जगह टेलिफोन कनेक्शन चल रहे थे लेकिन यूनियन नेताओं का कहना है कि मंगलवार को जब यह आंदोलन तेज होगा तो बाकी सेवाएं भी गड़बड़ाने की आशंका है। उनका कहना है कि वे नहीं चाहते थे कि आंदोलन से उपभोक्ताओं को नुकसान हो, इसी वजह से वे पिछले दो महीने से रैलियों और धरनों के जरिए एमटीएनएल मैनेजमेंट को मनाने में जुटे थे लेकिन अब तक मैनेजमेंट ने कोई पॉजिटिव रिस्पॉन्स नहीं दिया।

आंदोलनकारी अधिकारियों का कहना है कि उनका विरोध एमटीएनएल के उस आदेश के खिलाफ है, जिससे एमटीएनएल के अधिकारियों का वेतन बढ़ने की बजाय 4000 से 8000 रुपये तक कम हो जाएगा। यूनियन का कहना है कि सरकारी कंपनियों में नया वेतनमान लागू करने के साथ सरकार ने जो शर्तें रखी थीं, उन्हें एमटीएनएल पूरा करता है लेकिन एमटीएनएल ने जो ऑर्डर जारी किए हैं, उससे उनके भत्ते तो कम होंगे ही, साथ ही मकान किराए भत्ते में भी कमी आ जाएगी। मकान का घटा हुआ भत्ता 2006 से लागू हो जाएगा। इस तरह से अगर उस घटे हुए भत्ते की कटौती हुई तो पिछले ढाई साल का लिया हुआ भत्ता भी उन्हें वापस करना पड़ेगा। उनका कहना है कि इस आदेश का असर एमटीएनएल के दिल्ली और मुंबई के 8000 अफसरों पर पड़ा है। यही वजह है कि उन्हें इस आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा है।

लाइन खराब है...

- एमटीएनएल अफसरों का असहयोग आंदोलन आज से होगा और तेज
- अधिकतर प्राइवेट ऑपरेटर करते हैं नेटवर्क की शेयरिंग
- सोमवार को टेलिफोन और इंटरनेट लाइनें बुरी तरह प्रभावित रहीं
- सैलरी घटने की बात पर नाराज हैं एमटीएनएल के अफसर

लूज कनेक्शन

एमटीएनएल की सर्विस ठप रही

नव भारत टाइम्स

प्रस। नई दिल्ली : राजधानी में एमटीएनएल की लैंडलाइन, मोबाइल और ब्रॉडबैंड सेवाएं सोमवार को बुरी तरह अस्त-व्यस्त रहीं। वेतन कटौती के विरोध में एमटीएनएल के अधिकारी असहयोग आंदोलन कर रहे हैं। इसमें दिल्ली में 4,000 से ज्यादा अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। आंदोलनकारी अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार से इस आंदोलन को तेज किया जाएगा। आंदोलन का असर प्राइवेट टेलिफोन ऑपरेटरों के उपभोक्ताओं पर भी नजर आ सकता है। एमटीएनएल नेटवर्क का इस्तेमाल करने वाले प्राइवेट टेलिफोन ऑपरेटरों की सेवाएं भी चरमरा सकती हैं। एमटीएनएल के मोबाइल उपभोक्ताओं के सुबह से ही सिग्नल गायब मिलने लगे थे। »पेज 3 भी देखें

एमटीएनएल की सेवाएं ठप

हिन्दुस्तान

प्रमुख संवाददाता नई दिल्ली

- वेतन को लेकर अधिकारी हड़ताल पर गए
- बुरी तरह प्रभावित हुई ब्रॉडबैंड सेवा

राजधानी की संचार व्यवस्था सोमवार को पूरी तरह ठप रही। खासकर महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) की इंटरनेट सेवा बाधित रहने से कई बैंकों में कामकाज प्रभावित हुआ। कॉरपोरेट जगत के लोग एक-दूसरे से संपर्क नहीं साध पाए। एमटीएनएल की मोबाइल सेवा और लैंडलाइन सेवा भी बाधित रही।

एमटीएनएल के बी ग्रेड के अधिकारियों के अचानक हड़ताल पर चले जाने के कारण यह हालात पैदा हुए। हालांकि प्राइवेट कंपनियों की संचार व्यवस्था पूर्ववत काम करती रही।

सोमवार सुबह से ही एमटीएनएल के ब्रॉडबैंड ने काम करना बंद कर दिया। जिन बैंकों में एमटीएनएल की इंटरनेट सेवा चल रही है, वहां भी कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। एमटीएनएल अधिकारी पिछले कई दिनों से आंदोलनरत हैं। इन अधिकारियों का कहना है कि एमटीएनएल के प्रबंधन ने नवरत्न कंपनी होने के बावजूद सरकार द्वारा निर्धारित नए वेतनमान के 30 प्रतिशत फिटमेंट की बजाए 5 प्रतिशत फिटमेंट और मकान किराया भत्ता दिसंबर 2006 के रेट पर निर्धारित करने का प्रस्ताव टेलीफोन डिपार्टमेंट को भेज दिया है। इससे अब नई माह का वेतन उन्हें आठ से 15 हजार रुपये कम मिलेगा। इस वजह से सोमवार को अधिकारी बेमियादी हड़ताल पर चले गए।

और नौसैनिक इकाई सीटाइगर के प्रमुख सूसई के भी मारे जाने की भी जानकारी दी गई है। इसके पहले सेना के सूत्रों ने प्रभाकरन के पुत्र चार्ल्स एंटनी के भी मारे जाने की पुष्टि की थी। सेना ने लिट्टे को ध्वस्त कर 1983 से जारी आतंक के अध्याय का पटाक्षेप करते हुए 25 साल बाद पूरी तरह से वंचित विद्रोहियों के सफाए का दावा किया। सेना के लेफ्टिनेंट जनरल सरथ फोनसेका ने कहा, 'हमने देश के उत्तरी हिस्से को लिट्टे के चंगुल से छुड़ाकर पूरे देश को विद्रोही हिंसा से मुक्त कर लिया है।' पेज 14 भी देखें

श्रीलंका सेना के मुताबिक, यह प्रभाकरन के बेटे चार्ल्स एंटनी का शव है। रायटर